"अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत"

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव

उमवि/12/New Syll/3289/99 दिनांक :- 16.7.1998

प्रति,

मा.प्राचार्य,
विद्याप्रबोधिनी संचलित कला व वाणिज्य
महाविद्यालय, धुळे.

विषय :- एम.ए. भाग-2 हिन्दी परियोजना विषयाचा अभ्यासक्रम पाठविणेबाबत.
संदर्भ :- आपणाकडील पत्र क्र.419/98-99, दिनांक निरंक असलेले पत्र.

महोदय,

आपणाकडील उपरोक्त संदर्भिय पत्र विद्यापीठास प्राप्त झाले आहे. तदनुषंगाने विदित करण्यात येते की, मा.विद्यापीठ अधिकार मंडळाने घेतलेल्या निर्णयानुसार सन 1998-99 या शैक्षणिक वर्षापासून एम.ए.भाग-2 वर्गातील हिन्दी विषयासाठी नविन सुधारित अभ्यासक्रम लागू झालेला असून, सदर विषयाचा अभ्यासक्रम आपणास यापूर्वीच पाठविण्यात आलेला आहे. तथापी सदर वर्गातील हिन्दी परियोजना विषयासाठी अभ्यासक्रम तयार झालेला नसल्यामुळे सदर अभ्यासक्रमात परियोजना विषयाचा अभ्यासक्रम समाविष्ट झालेला नाही. तरी सदर अभ्यासक्रमाची प्रत सोबत आपल्या माहितीसाठी पाठविली असून, या विषयाचा पूर्वीचा जूना अभ्यासक्रम जुलै.1998 पासून शिकविण्यात येऊ नये.

करिता, आपणास विनंतीपूर्वक कळविण्यात येते की, यापत्राचा आशय व एम.ए.भाग-2 हिन्दी परियोजना विषयाचा सुधारित अभ्यासक्रम आपल्या महाविद्यालयातील संबंधित प्राध्यापक व विद्यार्थी यांच्या नजरेस आणून पुढील योग्य ती कार्यवाही करावी.

कळावे,

आपला विश्वासू,

सोबत :- अभ्यासक्रमाची प्रत.

उपकुलसचिव.

प्रत माहितीसाठी रवाना:-

1) मा. अधिष्ठाता, कला व ललितकला विद्याशाखा, उमवि, जळगांव.
2) मा.चेअरमन व सर्व सदस्य, हिन्दी अभ्यासमंडळ, उमवि, जळगांव.
3) मा.परीक्षा नियंत्रक, उमवि, जळगांव.
4) मा.उपकुलसचिव, परीक्षा पूर्वार्ध विभाग, उमवि, जळगांव.
5) मा.सहा.कुलसचिव, परीक्षा पूर्वार्ध/उत्तरार्ध विभाग, उमवि, जळगांव.
6) मा.सिस्टीम अनॅलिस्ट, संगणक विभाग, उमवि, जळगांव.

ddr/akshar/syllabb.

"अंतरी पैटवू ज्ञानज्योत"

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जलगांव

एम.ए. भाग-2 हिन्दी परियोजना अभ्यासक्रम

(द्वारा – जुलै, 1998)

एम.ए. भाग एक एवं भाग दो में प्रश्नपत्र 4 और प्रश्नपत्र 8 के वैकल्पीक प्रश्नपत्र के बदले विद्यार्थी किसी एक विषय का परियोजना के रुप में अध्ययन कर सकता है। परियोजना के विषय का अध्ययन सम्बन्धीत अध्ययन केन्द्र के द्वारा निर्धारित निर्देशक के निर्देशन में किया जायेगा। परिक्षार्थी को अध्ययन के लिए चुने गये विषय पर कम से कम 25 और अधिक से अधिक 35 फुलस्केप आकार के पृष्ठों पर हस्तलिखित या टंकलिखित निबन्ध वर्ष के अन्त में प्रस्तुत करना होगा।

<u>एम.ए. भाग दो के लिए परियोजनाएँ</u> :–

1) भारतीय संस्कृति और हिन्दी साहित्य.

2) साहित्य और इतिहास.

1) परियोजना का परिक्षण एवं मुल्यांकन अंतर्गत एवं बहिर्गत दो परीक्षक करेंगे। अंतर्गत परिक्षक उस विद्यार्थी के मार्गदर्शक होंगे और बहिर्गत परीक्षक की नियुक्ती विद्यापीठ करेगा। अंतर्गत परीक्षक को 100 अंको में से 25 अंक और बहिर्गत परीक्षक को 75 अंको का मुल्यांकन करना होगा। इसके लिए मौखिक परीक्षा ली जायेगी और यह परीक्षा सम्बन्धीत महाविद्यालय में विद्यापीठ ने निर्धारित की हुई तारीख और समय पर होगी।

2) परीक्षार्थी ने मौखिक परीक्षा के समय प्रस्तुत की गयी परियोजना की फाईल परीक्षा समाप्त होने पर विद्यापीठ में जमा करने की जबाबदारी सम्बन्धीत महाविद्यालय की होगी।

----

dbs/syll/mahindi/akshar